Regarding need to provide adequate compensation to the families of persons who have lost their lives due to wild animal attacks-Laid

श्री रुद्र नारायण पाणी **(**धेन्कानल**) :** समग्र देश में मानव-वन्य प्राणी संघर्ष (Human-Animal conflict) अब बढ़ता जा रहा है । ऐसा कहा जा सकता है कि इसका कारण जलवायु परिवर्तन ही है यह भी कहा जा सकता है कि व्यापक औद्योगिकीरण के कारण भी मानव-वन्य प्राणी संघर्ष बढ़ रहा है । मेरे लोकसभा क्षेत्र ढेंकानाल विशेषकर उड़ीसा के दो जिले ढेंकानाल और अंगुल में पिछले चार वर्षों में 31 हाथियों की मृत्यु हुई है जबकि 162 लोगों की हाथी आक्रमण से मृत्यु हुई है ।अन्य वन्य प्राणियों द्वारा भी जनजीवन के नुकसान के साथ-साथ फसल की भी हानि व्यापक पैमाने पर होती है । हाथियों के आक्रमण से लोग भी अनेक स्थान पर अपंग हो जाते हैं, अधमरे हो जाते हैं । गंभीर रूप से घायलों की चिकित्सा भी बहुत महंगी होती है । अधमरे लोगों का आगे का जीवन यापन भी बहुत ही कष्टकर हो जाता है । अत: मेरी सरकार से यह प्रार्थना है कि हाथी तथा अन्य वन्य प्राणी आक्रमण से मृत व्यक्तियों के परिजनों को वर्तमान से अधिक आर्थिक राशि की सहायता प्रदान की जाए । गंभीर रूप से घायलों की चिकित्सा का पूरा खर्च सरकार उठाए । साथ-साथ उनके आगे के जीवन यापन हेतु भी सरकार गहराई से सोचे । मेरे विचार से फसल हानि का भी जो मुआवजा दिया जाता है वह कतई पर्याप्त नहीं है । राज्य सरकारों को भी इस संबंध में अधिक संवेदनशील होने हेतु कहा जाए । दोनों सरकार मिलकर इस दृष्टि से कदम उठाएं, ऐसा मेरा निवेदन है । अभ्यारण (Sanctuary) को लेकर जो कठोर कानून है, वे भी थोड़ा नरम किए जाएं, ऐसी भी मेरी प्रार्थना है ।